हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला द्वारा हिन्दी सप्ताह का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में दिनांक 19.09.2014 से 25.09.2014 तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया जिस में संस्थान के अधिकारियों,वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने हिन्दी की विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लिया ।

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन दिनांक 25.09.2014 को संस्थान के सभागार में किया गया जिसमें डा० अश्वनी कुमार, भारतीय पुलिस सेवा, प्रो॰ चांसलर ए॰पी॰जी॰ विश्वविद्यालय, शिमला एवं पूर्व राज्यपाल, नागालैंड, मुख्य अतिथि थे ।

समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया ।

संस्थान के निदेशक डॉ॰ वी॰ पी॰ तिवारी ने शॉल व हिमाचली टोपी पहनाकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया । मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए डा० तिवारी ने संस्थान द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला और राजभाषा हिन्दी को संस्थान के दैनिक कार्यों में बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत करवाया । उन्होने कहा कि यद्यपि अनुसंधान संबंधी अधिकांश पठन-पाठन सामग्री अंग्रेजी में ही उपलब्ध होती है परन्तु फिर भी हम इस क्षेत्र में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए हर सम्भव कोशिश कर रहे हैं ।

इस अवसर हिन्दी अधिकारी श्री प्रदीप भारद्वाज, उप अरण्यपाल ने जानकारी दी कि संस्थान के लगभग 80% प्रशासनिक कार्य हिन्दी में हो रहे हैं और वैज्ञानिक तकनिकी कार्यों को हिन्दी में करने के लिए संस्थान का प्रत्येक कर्मचारी प्रयासरत है। जिस के फलस्वरूप शीघ्र ही उचित परिणाम प्राप्त होंगें ।

समारोह में श्री प्रदीप भारद्वाज ने हिन्दी सप्ताह के दौरान हुई प्रतियोगिताओं व विजेताओं की जानकारी भी दी ।

विवरण निम्नलिखित है—

क्रम	प्रतियोगिता का नाम	परिणाम
1.	कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण	प्रथम- श्री रोहित कुमार
		द्वितीय- श्रीमति नर्वदा पाल
2.	नोटिंग-ड्राफ्टिंग	प्रथम श्री दुष्यन्त कुमार
		द्वितीय- श्रीमति नर्वदा पाल
3.	निबंध प्रतियोगिता	प्रथम- श्री गुलेर सिंह
		द्वितीय- श्री दुष्यन्त कुमार
4.	नारा लेखन	प्रथम- श्री पंकज कुमार
		द्वितीय- कुलवन्त राय गुलशन

मुख्य अतिथि डा० अश्वनी कुमार ने विजेताओं को बधाई दी और पुरस्कार वितरित किए । इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय ने राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम दैनिक कार्यों में ऐसी भाषा का प्रयोग करें जो जन-साधारण को आसानी से समझ आ सके । उन्होने कहा कि ऐसी भाषा हमारी राजभाषा हिन्दी ही है ।

मुख्य अतिथि महोदय ने संस्थान द्वारा हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की और इस दिशा में निरन्तर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया ।

समारोह के दौरान लोक सम्पर्क विभाग के कलाकारों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुति दी ।

कार्यक्रम के अन्त में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ० राजेश शर्मा ने मुख्य अतिथि एव अन्य अतिथियों का धन्यवाद किया ।

हिंदी में कार्य करने पर जोर

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में हिंदी सप्ताह के दौरान संस्थान की गतिविधियों पर चर्चा हुई।

हिमाचल दस्तक। शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में हिंदी सप्ताह वीरवार को संपन्न हो गया। इसमें विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। समापन अवसर पर आईपीएस डॉ.अश्वनी कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। संस्थान के निदेशक डॉ.वीपी तिवारी ने संस्थान द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला और राजभाषा हिंदी को संस्थान के दैनिक कार्यों में बढ़ावा देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि यद्यपि अनुसंधान संबंधी अधिकांश पठन.पाठन सामग्री अंग्रेजी में ही उपलब्ध होती है। फिर भी हिंदी को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। उप अरण्यपाल प्रदीप भारद्वाज ने कहा कि संस्थान के लगभग 80 फीसदी प्रशासनिक कार्य हिंदी में किए जा रहें हैं और वैज्ञानिक तकनीकि कार्यों को भी हिंदी में करने के लिए प्रयासरत्त है। समारोह में प्रदीप भारद्वाज ने हिंदी सप्ताह के दौरान हुई प्रतियोगिताओं व विजेताओं की जानकारी भी दी। मुख्य अतिथि डॉ.अश्वनी कुमार ने विजेताओं को बधाई दी और पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने कहा कि हमें दैनिक कार्यों में हिंदी भाषा पर जोर देना चाहिए।

हिमाचल दस्तक 25-09-2014

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में नवाजे विजेता

शिमला, 25 सितम्बर (तिलक): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में 19 से 25 सितम्बर तक हिन्दी सप्ताह का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिन्दी की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसी के तहत वीरवार को संस्थान के सभागार में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें आई.पी.एस. व पूर्व राज्यपाल नागालैंड ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रोहित कुमार ने जीता जबकि दूसरा नर्वदा पाल ने प्राप्त किया। इसी तरह नोटिंग-ड्राफ्टिंग में दुष्यंत कुमार प्रथम व नर्वदा पाल द्वितीय, निबंध लेखन में गुलेर सिंह प्रथम व दुष्यंत कुमार द्वितीय, नारा लेखन में पंकज कुमार प्रथम व कुलवंत राय गुलशन ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

पंजाब केसरी 25-09-2014